StudentBounty.com

संकलित परीक्षा - I, 2012

HB1-

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** 1x5=5

इस संसार को कर्मक्षेत्र कहा गया है, मनुष्य संसार में काय करने के लिए ही आता है। संसार की रचना के विषय में विभिन्न धर्मों के विभिन्न मत हैं और प्रत्येक धर्मग्रन्थ अपने धर्म को सबसे प्राचीन मानते हैं। मनुष्य अपने कर्मों के आधार पर अपने भावी जीवन का निर्माण करता है। पहले हम संसार में प्रत्यक्ष देखते हैं कि प्राणिमात्र को कर्म करना पड़ता है। पशु-पक्षो भी अपनी जीवन यात्रा के लिए निरन्तर कर्म निरत रहते हैं। प्रकृति स्वयं ही अविश्रान्त कर्म में लगी हुई हैं। नदियाँ, झरने, पवन, सूर्य-चन्द्र सब गतिशील हैं। जाड़ा-गर्मी बरसात हर वष नियमित रूप से आते रहते हैं, मनुष्य केवल अपने कर्मों से सफल हो सकता है। मनुष्य के कर्मों की तीन प्रकार की अवस्थाएँ होती हैं - क्रियमाण, संचित तथा प्रारब्ध कर्म, गीता भी निरन्तर कर्म करने का संदेश देती है। भारतीय दर्शनों ने निष्काम कर्म पर बल दिया है। मनुष्य अपने विवेक द्वारा यह निश्चय करता है कि कौन कार्य करने योग्य है और कौन त्याज्य हैं। कर्मों से मानव जीवन का उत्थान या पतन संभव है।

(i) मनुष्य का संसार में जन्म लेने का उद्देश्य है -

(क) धर्म का प्रचार करना (ख) धर्मग्रन्थ को समझते रहना

(ग) भावी जीवन का सफल बनाना (घ) प्रकृति के तत्वों को जानना

(ii) भारतीय दर्शनों ने संदेश दिया है -

(क) सकाम करने हेतु (ख) त्याज्य कर्म करने हेतु

(ग) निष्काम कर्म करने हेतु (घ) प्रशंसनीय कर्म करने हेतु

(iii) मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त करता है -

(क) आलसी बनने से (ख) चिन्ता करने से

(ग) कभी-कभी कर्म करने से (घ) निरन्तर कर्त्तव्य कर्म करने से

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(iv) पशु-पक्षी अपने जीवन को सफल बनाते हैं –

(क) घास-फल खाने से (ख) संतान को पालने से

(ग) निरन्तर कर्म करने से (घ) घोंसले बनाने से

(v) 'नियमित' शब्द में प्रत्यय है –

(क) त (ख) इत (ग) मित (घ) यमित

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए -** 1x5=5

संसार के समस्त जीवों में मनुष्य श्रेष्ठ है इसका कारण है उसकी बुद्धि। अन्य जीवों की अपेक्षा वह अधिक बुद्धिमान है। वह केवल वर्तमान की ही नहीं सोचता वरन् भविष्य के विषय में भी विचार करता है। वह अपनी नहीं सोचता दूसरों के सम्बन्ध में विचार करता है। मनुष्य में उचित और अनुचित का ज्ञान कराने वाली बुद्धि का निवास है। वह बुद्धि ज्ञान और अज्ञान से पूर्ण कार्यों में प्रवृत्त करती है। अतएव बुद्धि के दो पक्ष हैं – सुबुद्धि और दुर्बुद्धि। जिन मनुष्यों की बुद्धि अज्ञान के अन्धकार से ग्रस्त होती है उनकी बुद्धि को दुर्बुद्धि कहते हैं। जो बुद्धि ज्ञान के प्रकाश से युक्त होती है उसे सुबुद्धि कहते हैं। सुबुद्धि की बड़ी महिमा है जब हम किसी को अनुचित काम करते हुए देखते हैं तो हम कहते है कि भगवान उसे सुमति दे। इसलिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह हमें सुबुद्धि दे। मनुष्य में सुमति का न होना सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। जहाँ सुमति नहीं है वहाँ- दम्भ-दर्प, क्रोध और अधैर्य का साम्राज्य होता है, सुमति के द्वारा प्रम और एकता का संचार होता है। प्रेम और एकता शक्ति और समृद्धि की जननी है।

(i) सांसारिक जीवों में से मानव की सर्वश्रेष्ठता का कारण है –

(क) स्वार्थी होना (ख) ज्ञान की कमी होना

(ग) सर्वाधिक बुद्धिमान होना (घ) बलवान होना

(ii) सुबुद्धि का मानवजीवन में क्या स्थान है?

(क) उससे उचित और अनुचित का ज्ञान होता है।

(ख) उससे विवेक की प्राप्ति देर से होती है।

(ग) उससे मनुष्य निर्णय करने की क्षमता खो बैठता है।

(घ) उससे शीघ्रता से कार्य किया जाता है।

(iii) दुर्बुद्धि मानवजीवन में किन दुर्गुणों को बढ़ाती है –

(क) प्रेम, एकता, शान्ति (ख) दम्भ-दर्प, क्रोध, अधैर्य

(ग) ईर्ष्या, द्वेष, पाखण्ड (घ) दया-करुणा-मैत्री

(iv) मनुष्य भगवान से प्रार्थना करता है –

(क) ईश्वर उसे सुख समृद्धि दे। (ख) शान्ति दे।

(ग) सुमति दे। (घ) कुमति दे।

(v) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है –

(क) मानवजीवन की श्रेष्ठता (ख) बुद्धिमान मानव

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(ग) जहाँ सुमति तहाँ संपति नाना (घ) संपत्ति की महत्ता

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए -** 1x5

जय बोलो उस धीर व्रती की, जिसने सोता देश जगाया,
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया,
जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।

(i) सच्चा धीर व्रती है -

(क) देशवासियों को प्रात: जगाने वाला
(ख) मिट्टी के पुतले बनाने वाला
(ग) सुषुप्त देशवासियों में वीरता के भाव भरने वाला
(घ) जय-जय कार करने वाला

(ii) आपके विचार से आज़ादी प्राप्त करने की राह हो सकती है -

(क) दूसरों को बलिदान के लिए प्रेरित करना
(ख) आत्मबलिदान के लिए तैयार रहना
(ग) देश सेवा से स्वयं विमुख रहना
(घ) स्वार्थ परायण होना

(iii) 'वीरों का बाना पहनाने' से तात्पर्य है -

(क) श्रंगार करना (ख) वेश-भूषा धारण करना
(ग) धनुष-बाण धारण करना (घ) गेरुए वस्त्र पहनना

(iv) यदि धीरव्रती देशवासियों को न जगाए तो देश के सामने समस्या आएगी -

(क) बेरोज़गारी की (ख) सुबह जागने की
(ग) खाद्यान्न की (घ) पराधीनता की

(v) जय शब्द का विलोम शब्द बताइए -

(क) विजय (ख) अजेय
(ग) पराजय (घ) दुर्जेय

4. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए -** 1x5=5

हँस लो दो क्षण मिले अगर
वरना जीवन भर क्रंदन है।
किसका जीवन हँसी-खुशी में
इस दुनियाँ में रहकर बीता ?
सदा सर्वदा संघर्षों को

StudentBounty.com

StudentBounty.com

इस दुनिया में किसने जीता
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता-रोता चमन-चमन है।
कितने रोज़ चमकते तारे
कितने रह-रह गिर जाते हैं,
हँसता शशि भी छिप जाता है
जब सावन घन घिर आते हैं

(i) दो क्षण की खुशी प्राप्त होने पर क्यों मुस्कराना चाहिए -

(क) जीवन जीने का नाम है

(ख) जीवन में उल्लास ही उल्लास हैं

(ग) आजीवन आनंद ही आनंद है

(घ) जीवन में दु:खों की कमी नहीं हैं

(ii) फूल मानव को संदेश देता है -

(क) हमेशा हँसते रहने का (ख) संघर्षरत रहने का

(ग) आराम करते रहने का (घ) चिन्तित बने रहने का

(iii) तारे जीवन के क्षणिक होने का भाव प्रकट करते हैं -

(क) रात में चमकते रहने से (ख) आसमान से गिरकर धरती पर बिखरने से

(ग) धरती पर वेग से आने पर (घ) सुबह अस्त होने पर

(iv) काव्यांश में चन्द्रमा के छिपने का कारण बताया गया है -

(क) ग्रहण लगना (ख) वर्षा होना

(ग) प्रात: हो जाना (घ) सावन के बादलों का घिर आना

(v) निम्नलिखित शब्दों में से चन्द्रमा का पर्यायवाची नहीं है -

(क) शशि (ख) शशक (ग) शशांक (घ) राकेश

खण्ड - ख

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्णविच्छेद कीजिए - 2

(i) शिष्टाचार (ii) हिमालय

(ख) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप वाले शब्द छाँटिए। 1

व्याक्रण, धर्मात्मा, ध्रुव, क्रमण्य

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर, लगे अनुस्वार वाले शब्द छाँटिए। 1

सयंम मंदाकिनी संगति हंसना

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से उपयुक्त स्थानों पर लगे अनुनासिक चिह्नों वाले शब्द छाँटिए। 1

सिंहासन, हँसना, सिँचाई अँधकार

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

ताज़गी, हिफ़ाजत, वक्त, अख़बरा

(ग) निम्नलिखित शब्दों में मूलशब्दों व उपसर्गों को अलग-अलग कीजिए।

(i) खुशबू (ii) निडर

7. (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए - 2

(i) खिलाड़ी (ii) घबराहट

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के अन्य पर्यायवाची रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 2

(i) राजा का धर्म प्रजापालन है क्योंकि __________ प्रजा के पिता के समान होता है।

(ii) गगन का अंत नहीं है क्योंकि ________ का अंत पाना कठिन है।

(iii) कमल सरोवर में खिलते हैं ____________ पर भौंरे मंडराते हैं।

(iv) गंगा हिमालय से निकलती है और ___________ समुद्र में जा मिलती है।

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - 2

(i) संगीत में आरोह तथा __________ का बहुत महत्त्व है।

(ii) प्रश्न पाँच का उत्तर विस्तार से लिखना है जबकि प्रश्न तीन का ________ में।

(iii) विज्ञान _____________ भी है और अभिशाप भी।

(iv) युद्ध में ___________ और हार दोनों संभव है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों से ऐसे दो अलग-अलग वाक्यों की रचना कीजिए कि उनके दो अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाएँ - 2

सुमन, कल

9. (क) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक उपयुक्त शब्द लिखिए - 2

(i) गणित का ज्ञाता

(ii) हाथ से लिखा हुआ

(iii) शरण में आया हुआ

(iv) जिसका कोई शत्रु न हो

(ख) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए - 2

(i) राम कौशल्या की ____________ तारा है।

(ii) श्रवण कुमार अपने माता पिता के लिए अंधे की ________ तरह था।

(iii) अपमान जनक शब्दों को सुनकर वह आपा __________ लगा।

(iv) चॉकलेट देखकर छोटे बच्चों के मुँह ___________ जाता है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

खण्ड - ग

10. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प लिखिए।** 1x5=

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय।।
रहिमन निज संपति बिना, कोउ न बिपति सहाय,
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय।।

(i) प्रेम का धागा टूटने से कवि का आशय है –
(क) धागे में गाँठ पड़ना (ख) संबंध प्रगाढ़ होना
(ग) संबंधों में दरार पड़ना (घ) धागे का कच्चा हो जाना

(ii) प्रस्तुत दोहे में कवि ने प्रेम को माना है –
(क) गाँठ (ख) धागा (ग) सुई (घ) वस्त्र

(iii) विपत्ति काल में सबसे बड़ा सहायक माना गया है –
(क) मित्र को (ख) माता-पिता को
(ग) धन-दौलत को (घ) सद्गुणों को

(iv) किस स्थिति में सूर्य भी कमल की रक्षा नहीं कर पाता –
(क) प्रकाश के बिना (ख) दिन के बिना
(ग) तालाब के बिना (घ) पानी के बिना

(v) दूसरे दोहे का आशय है –
(क) संपत्ति का संग्रह नहीं करना चाहिए। (ख) संपत्ति का बँटवारा करना चाहिए।
(ग) सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। (घ) परिश्रम से धन अर्जित करना चाहिए।

अथवा

ऐसी लाल तुझ बिन कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।
नामदेव कबीर तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदास सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभ सरै।

(i) ईश्वर को गरीब निवाजु क्यों कहा गया है ?
(क) गरीबों को धन देने से (ख) मुकुट पहनाने से
(ग) उँची जाति का बनाने से (घ) समाज में उँचा दर्जा देने से

(ii) गुसईआ शब्द का अर्थ है –
(क) इंद्रियों का स्वामी (ख) गुस्सा करने वाला

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iii) लोग छुआ-छूत का भेद-भाव करते हैं -

(क) निर्धनों से (ख) धनिकों से

(ग) निम्नजाति के लोगों से (घ) बौनों से

(iv) परमात्मा का स्वभाव है -

(क) धनवान को अधिक धन देना

(ख) समदर्शी होना

(ग) गिरते हुए को और गिराना

(घ) भक्त को सिंहासन पर बिठाना

(v) उपर्युक्त काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग किया हैं -

(क) ब्रज (ख) अवधी

(ग) भोजपुरी (घ) खड़ी बोली

11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए - 2x3=6

(i) 'धूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि ग्रामीण परिवेश में प्रकृति धूल के कौन-कौन से सुंदर चित्र प्रस्तुत करती है ?

(ii) 'दुख का अधिकार' पाठ में लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या-क्या उपाय किए ?

(iii) 'एवरेस्ट: मेरी शिखर यात्रा' के आधार पर लिखिए कि हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं ?

12. 'दुख का अधिकार' पाठ के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए ? 5

अथवा

'धूल' पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5

शरीर को लेकर संसार की असारता पर बहुत कुछ, कहा जा सकता है परंतु यह भी ध्यान देने की बात है कि जितने सारतत्व जीवन के लिए आवश्यक हैं, वे सब मिट्टी से मिलते हैं। जिन फूलों को हम अपनी प्रिय वस्तुओं का उपमान बनाते हैं वे सब मिट्टी की ही उपज हैं। रूप रस, गंध, स्पर्श - इन्हें कौन संभव करता है ? माना कि मिट्टी और धूल में अंतर है, लेकिन उतना ही जितना शब्द और रस में, देह और प्राण में, चाँद और चाँदनी में। मिट्टी की आभा का नाम धूल है और मिट्टी के रंग रूप की पहचान उसकी धूल से होती है।

(i) मिट्टी का जीवन के लिए क्या महत्त्व है? 1

(ii) किन्हीं तीन उदाहरणों के द्वारा मिट्टी और धूल का अंतर स्पष्ट करें। 2

(iii) 'मिट्टी की आभा का नाम धूल है।', इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

अथवा

एवरेस्ट की तरफ़ गौर से देखते हुए मैंने एक भारी बर्फ़ का बड़ा फूल (फ्लूम) देखा, जो पर्वत–शिखर पर लहराता एक ध्वज–सा लग रहा था। मुझे बताया गया कि यह दृश्य शिखर की ऊपरी सतह के आसपास 150 किलोमीटर अथवा इससे भी अधिक की गति से हवा चलने के कारण बनता था, क्योंकि तेज़ हवा से सूखा बर्फ़ पर्वत पर उड़ता रहता था। बर्फ़ का यह ध्वज 10 किलोमीटर या इससे भी लंबा हो सकता था, शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण–पूर्वी पहाड़ी पर इन तूफ़ानों को झेलना पड़ता था, विशेषकर खराब मौसम में। यह मुझे डराने के लिए काफ़ी था फिर भी मैं एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित थी और इसकी कठिनतम चुनौतियों का सामना करना चाहती थी।

(i) लेखिका ने एवरेस्ट की ओर देखने से पहली बार क्या अनुभव किया ? 2

(ii) एवरेस्ट शिखर पर जाने वाली पर्वतारोही को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था ? 1

(iii) लेखिका के मन में एवरेस्ट के प्रति कैसी भावनाएं उत्पन्न होती थी तथा उसने क्या संकल्प किया था ? 2

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** 3x3=9

(i) रैदास ने परमात्मा की क्या महिमा बताई है ?

(ii) रहीम जी के अनुसार एक को साधने से सब कैसे सध जाता है ?

(iii) मोती मानुष चून के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ?

(iv) 'आदमीनामा' में वर्णित आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ?

15. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** 3+3=6

(i) 'स्मृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या किया ?

(ii) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है ?

(iii) 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटी' के आधार पर 'उनाकोटी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बतलाइए कि यह स्थान इस नाम से क्यों प्रसिद्ध है ?

16. 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटी' पाठ के संदर्भ में उनाकोटी में स्थित गंगावतरण की कथा को अपने शब्दों में लिखिए? 4

अथवा

'गिल्लू' पाठ में पठित सोनजुहीं में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे ?

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

खण्ड - घ

17. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -**

(क) **कम्प्यूटर आज की ज़रूरत**

- कंप्यूटर युग
- कंप्यूटर युग की आवश्यकता
- कंप्यूटर के लाभ
- सीखने की आवश्यकता

(ख) **विज्ञान वरदान या अभिशाप**

- अर्थ
- वरदान - चिकित्सा में, कृषि में, यातायात में, दैनिक जीवन में
- अभिशाप - अस्त्र-शस्त्र निर्माण में
- जीवन-मूल्यों का पतन

(ग) **भ्रष्टाचार-कारण और निराकरण**

- भ्रष्टाचार का आरंभ
- सभी जगह भ्रष्टाचार व्याप्त
- पैसों की भेंट चढ़ाने पर कार्य पूर्ण, भ्रष्टाचार और मिलावट
- भ्रष्टाचार - निवारण के उपाय

18. व्यायाम के लाभों पर प्रकाश डालते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए। 5

अथवा

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अपने यात्रा कार्यक्रम का विवरण देते हुए मित्र को साथ चलने के लिए पत्र लिखिए।

-oOo-

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers